the responsibility of the concerned State Government. The State institutional agencies namely, the State Co-operatives, the State Agro Industries Corporations, the State Marketing Federation, public sector organisations and the Private agencies are involved in the distribution and sale of fertilizers to farmers including small and marginal farmers.

Modernisation of Track bed

783. SHRI YERRA NARAYANASWAME: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to totally modernise and improve the trackbed in the Nellore-Rajahmundry Sector of South Central Railways;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is a fact that the present track bed is not capable of traffic load; and

(d) the steps proposed to improve the track bed in this sector for safety and commercial reasons?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) and (b) Track Renewals of existing track structure are carried out on age-cum-condition basis and on Nellore-Rajahmundry section existing metal sleepers are being replaced by concrete sleepers in a phased manner. Track Renewal works are being executed on this section as and when they become due.

Around 28 kms. of track renewal are programmed during 1996-97 and 147 kms. of deep screening are also planned for 1996-97.

(c) and (d) No, Sir. The existing track structure is considered safe to carry traffic at the present speeds.

रेल दुर्घटनाएं

784. श्री रामजी लाल: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1994-95 की तुलना में वर्ष 1995-96 और 1996-97 में रेल दुर्घटनाएं अधिक हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इसके क्या कारण है और इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं; और

(घ) सभी दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): जी नहीं, गाड़ी दुर्घटनाएं, 1994-95 के दौरान 501 की तुलना में घटकर 1995-96 में 398 हुई। अप्रैल से अक्तूबर 1994 की अवधि के दौरान 307 परिणामी दुर्घटनाओं की तुलना में 1996-97 की उसी अवधि में 222 दुर्घटनाएं हुईं।

संरक्षा में सुधार लाने तथा दुर्घटनाओं को रोक-थाम के लिए किए गए कुछ उपाय इस प्रकार है;—

1. ट्रंक मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण मुख्य लाइनों पर रेलपथ परिपथन के काम में तेजी लाई गई है।
2. दुर्घटनाओं में मानवीय भूल की संभावनाओं को कम करने के लिए सिगनलिंग सर्किटरी में आशोधन किया जा रहा है।
3. मुंबई उपरगरीय खंडों पर चलती गाड़ी के ड्राइवर को खतरे के सिगनलों के बारे में अग्रिम चेतावनी देने के लिए सहायक चेतावनी प्रणाली शुरू कर दी गई है।
4. रेलपथ के अनुरक्षण के लिए टाइटेम्पिंग और गिट्टी छनाई मशीनों के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि की गई है।
5. रेलपथ ज्यामिति और रेलपथ की चालन संबंधी विशेषताओं पर निगरानी रखने के लिए परिष्कृत रेलपथ अभिलेखी यान, दोलनलखी यान और सुवाह्य त्वरणमापियों का उत्तरोत्तर उपयोग किया जा रहा है।
6. कई डिपुओं में सवारी और माल डिब्बों के अनुरक्षण की सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है और उन्हें अपग्रेड किया गया है।
7. धुरों की कोल्ड ब्रेकेज के मामलों की रोकथाम के लिए धुरों में दोषों का पता लगाने के लिए नेर ओवरहाल डिपुओं में अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग उपर लगाए गए हैं।
8. बिना चौकीदार वाले समपारों पर सीटी बोर्डों रोधकों और सड़क चिह्न की व्यवस्था की ग और ड्राइवरों के लिए दृश्यता में सुधार किया ग है।